दिनांक 07-08-16

07-08-16

07-08-16

3. लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा एवं स्तंभ

(1) (1) Ans: → (ग)
(2) Ans: → (ख)
(3) Ans: → (घ)
(4) Ans: → (ख)
(5) Ans: → (क)
(6) Ans: → (क)
(7) Ans: → (ग)
(8) Ans: → (ग)
(9) Ans: → (ग)
(10) Ans: → (क)
(11) Ans: → (ख)
(12) Ans: → (ख)
(13) Ans: → (क)
(14) Ans: → (ख)
(15) Ans: → (ग)
(16) Ans: → (क)

(17) Ans: → (क)
(18) Ans: → (घ)
(19) Ans: → (घ)
(20) Ans: → (ग)
(21) Ans: → (घ)
(22) Ans: → (ग)
(23) Ans: → (घ)
(24) Ans: → (घ)
(25) Ans: → (क)
(26) Ans: → (ग)
(27) Ans: → (घ)
(28) Ans: → (ख)

II 1. → स्वाइकल
2. → लालटेन
3. → बंगला
4. → तीर

1 → ~~अर्ध फेडरल~~ यू पी ए
2 → एनडीए
3 → पार्टी फेडरल
4 → ब्रेनरी पार्टी
5

Date 07-08-16

3. लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष

Date 07-08-16
Page

(1) बिहार में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण क्या थे,

Ans:- 1971 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी कांग्रेस पार्टी ने गरीबी हटाओ का नारा देकर लोकसभा में बहुमत प्राप्त कर सरकार बनाया। लेकिन 1971, 72 के बाद देश के सामाजिक आर्थिक ढांचा में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। (1) बढ़ती हुई बेरोजगारी के कारण अव्यवस्था और लड़खड़ा गई। बंगलादेश की स्थापना के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को सहायता देना बंद कर दिया। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों अप्रतियोगित विधि से भारत की अर्थव्यवस्था को अस्तव्यस्त कर दिया। 1972, 1973 में मानसून की असफलता के कारण कृषि के पैदावार में भारी गिरावट आयी। इस समय पूरे देश में अराजकता का माहौल था। साथ ही साथ अनाज की कमी, महंगाई, भ्रष्टाचार तथा बेरोजगारी ने लोगों को जीना मुश्किल कर दिया। उपरोक्त कारणों से ही बिहार के छात्रों ने सरकार के विरुद्ध एक आंदोलन कर दिया जिसे छात्र आंदोलन के नाम से जाना गया। छात्र आंदोलन को नेतृत्व जय प्रकाश नारायण ने किया

Teacher's Signature .....

3. लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा
एक समीक्षा

(2) चिपको आंदोलन का मुख्य उद्देश्य क्या था?

Ans: → चिपको आंदोलन का आरम्भ उत्तराखंड के तीसरे गढ़वाल क्षेत्र में हुआ। गाँव वाले जंगल विभाग से खेती-बाड़ी के औजार बनाने के लिए आगू पेड़ काटने की अनुमति माँगी। लेकिन वन विभाग ने अनुमति न देकर, जमीन का वह टुकड़ा व्यवसायिक उपयोग के लिए खेल-सामानों निर्माताओं को दे दिया इससे गाँव वाले दुखी हुए और समर्थन के इस निर्णय का जबरदस्त विरोध किया जिसे चिपको-आंदोलन के नाम से जाना गया।

चिपको आंदोलन का उद्देश्य → (i) जंगलों की कटाई का ठेका किसी भी बड़ी व्यक्ति को नहीं दिया जाए (ii) जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय निवासियों का नियंत्रण होना चाहिए (iii) कोई वृक्ष के परिवर्तन (पर्यावरण) का नुकसान न पहुँचाए और स्थानीय लोगों के आर्थिक संसाधनों न छीने (iv) स्थानीय वन भूमि हीन, वन कर्मचारियों को गैर-लकड़ी वृक्ष उत्पाद मजदूरी दी जाए।

Note: → चिपको आंदोलन 1970, 80 के दशक में हुआ जिसका नेतृत्व सुन्दर लाल बहुगुणा ने किया।

(iii) स्वतंत्र राजनीतिक संगठन कौन होती है?

Ans: → व्यक्तियों का ऐसा समूह या संगठन, जो सक्रिय सम्मान उद्देश्य के प्राप्ति के लिए बिना किसी दबाव के स्वतंत्र रूप से कार्य करते है, स्वतंत्र राजनीतिक दल कहलाते है।

(iv) भारतीय किसान यूनियन की मुख्य मांग क्या थी?

Ans: → भारतीय किसान यूनियन की मुख्य मांग निम्न थी —

(i) गेहूं, उत्तर गन्ना के सरकारी खरीद-मूल्यों में बढ़ोतरी की जाए (ii) कृषि सम्बन्धित उत्पादों के आयात, राज्य आवा-जाही पर लगी पाबंदी को समाप्त किया जाए (iii) अधिक दर पर किसानों को गैरंटी युक्त बिजली दिया जाए (iv) किसानों के बकाया कर्ज उनके बच्चे माफ किए जाए (v) किसानों के लिए पेंशन योजना प्रावधान किया जाए

(v)

Teacher's Signature

(5) सूचना के अधिकार आंदोलन के मुख्य उद्देश्य क्या थे

Ans:→ सूचना के अधिकार आंदोलन की शुरुआत 1990 में राजस्थान के एक अति पिछड़े क्षेत्र, निम्बहेड़ा तहसील से हुआ। जब ग्रामीणों ने अपने वेतन और मजदूरी के लिए प्रशासन से बिल उपलब्ध कराने को कहा। ग्रामीणों को शुरू लग रहा था कि उनके मजदूरी में गड़बड़ी चल रही है।

1994 और 96 में इस पर चर्चा की गई। 2002 में विधेयक पारित हुआ और अन्ततः 2005 में राष्ट्रीय के महत्व लगने वाले सूचना का अधिनियम कानून बन गया।

सूचना के अधिकार कानून का उद्देश्य यह है कि किसी सरकारी या गैरसरकारी कार्य के सभी पहलुओं की जानकारी आम जनता को हो। कहीं भी काम, काज भ्रष्टाचार एवं हो कुछ भी बुरा हुआ न हो। सूचना के अधिकार का उद्देश्य जन्म कल्याण करी है।

(6) राजनीति दल की परिभाषा दें।

Ans:1 → व्यक्तियों का ऐसा समूह, जो राजनीतिक उद्देश्यों को लेकर कार्य करे, राजनीतिक दल कहलाते हैं। जैसे :- मतदान करना, चुनाव लड़ना, सत्ता प्राप्त करना आदि। राजनीतिक दल के उदाहरण :→ कांग्रेस पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड इत्यादि।

(7) किस आधार पर आप कह सकते हैं कि राजनीतिक दल जनता एवं सरकार के बीच कड़ी का काम करता है

Ans: → राजनितिक दल जनता की समस्याओं और आवश्यकता को जनता से लेकर सरकार के सामने रखती है साथ ही साथ राजनीतिक दल सरकारों की कल्याण कारी योजनाओं और कड़ी नीतियों को जनता तक पहुंचाती है। इस प्रकार राजनीतिक दल जनता और सरकार के बीच कड़ी या पुल का काम करती है।

(8) दल बदल कानून क्या है

Ans: → किसी राजनीतिक दल के सदस्य के द्वारा एक दल को छोड़कर दूसरे दल में जाना, दल बदल कहलाता है। भारतीय संविधान में विधायकों और सांसदों को एक दल को छोड़कर दूसरे

Teacher's Signature

दल में जाने हेतु प्रतिबंधित किया गया है, इसे दलबदल अधिनियम के नाम से जाना जाता है। यह 1980 में पारित हुआ। यदि कोई निर्वाचित सांसद या विधायक अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए एक दल को छोड़कर दूसरे दल में जाते हैं तो उनकी सदस्यता समाप्त हो जाती है। इस प्रकार दलबदल कानून के द्वारा विधायकों और सांसदों के दलबदल कानून पर रोक लगा है।

(Q) राष्ट्रीय राजनीतिक दल किसे कहते हैं?
Ans:→ ऐसे राजनीतिक दल, जिसे लोग सभा या विधान सभा के चुनावों में चार या उससे अधिक राज्यों में कुल डाले गए वैधानिक मतों का 6% प्राप्त करने के साथ लोकसभा में कम-से-कम चार सीट प्राप्त हो या लोकसभा में कम से कम 2% अर्थात् 11 सीट प्राप्त हो जो कम-से-कम तीन राज्यों से हो तो वह दल राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा प्राप्त कर लेता है। कांग्रेस पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय राजनीतिक दल है।

(1) जनसंघर्ष से भी लोकतंत्र मजबूत होता है" | क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने पक्ष में उत्तर दें

Ans: → यह बात बिल्कुल सत्य है कि जनसंघर्ष से लोकतंत्र मजबूत होता है। 12 वीं सदी के सातवें दशक में भारत में कई जनसंघर्ष हुए। 1974 में गरीबी हटाओ का नारा देकर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी। जब सरकार अपने उद्देश्यों में असफल रही तब 1975 में आपात काल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया गया। सारे देश में जनसंघर्ष होने लगे। और 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी

जनसंघर्ष सरकार पर दबाव बनाती है। सरकार की तानाशाही और मनमानी करने से रोकती है। सरकार को जनता के हित में फैसला लेने पर मजबूर करती है। अतः जनसंघर्ष से लोकतंत्र मजबूत होता है।

Note: → रैली, धरना, चक्का जाम, घेराव आदि जनसंघर्ष के रूप हैं।

Teacher's Signature

V.V.I

(2) किसके आधार पर आप कह सकते हैं कि बिहार से शुरू हुआ छात्र आंदोलन राष्ट्रीय हो गया ?

कांग्रेस ने सन 1971 के आम चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा देकर सत्ता प्राप्त किया। लेकिन गरीबी हटी नहीं, बेरोजगारी सामाजिक और आर्थिक स्थिति चरमरा गयी। चारों ओर असंतोष व्याप्त था। गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अनाज की कमी, बेरोजगारी के कारण मार्च 1974 में बिहार के छात्रों ने एक आंदोलन छेड़ दिया। इस छात्र आंदोलन का नेतृत्व जय-प्रकाश नारायण ने किया। जय-प्रकाश-नारायण सम्पूर्ण क्रांति और भारत में सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के उद्देश्य से इस आंदोलन का नेतृत्व किया। जय प्रकाश-नारायण के निवेदन पर किसान, मजदूर, व्यापारी, सरकारी कर्मचारी, सेना, पुलिस आदि जीवन के हर क्षेत्र के लोग आंदोलन में कूद पड़े। J.P ने बिहार सरकार का घेराव करने की घोषणा की। सन 1975 में J.P ने दिल्ली में संसद मार्च का नेतृत्व किया। इस रैली में बिहार, गुजरात के अलावे अन्य राज्यों के लोग शामिल हुए। राजधानी दिल्ली में अब तक इतनी बड़ी रैली का आयोजन नहीं था। इसी समय 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इंदिरा गांधी के निर्वाचन को असंवैधानिक घोषित कर दिया

उनके एक बड़े राजनीतिक के लिए मैदान तैयार हो चुका था। जे.पी. ने दिल्ली के रामलीला मैदान पर हुई विशाल जनसभा के बाद इंदिरा गांधी से इस्तीफा मांगते हुए राष्ट्रीय व्यापी सत्याग्रह की घोषणा की। 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की। 18 माह तक चले आपातकाल के बाद, सन् 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी की सरकार बनी। इस प्रकार बिहार से शुरू हुए छात्र आंदोलन का स्वरूप राष्ट्रीय हो गया।

(3) (क) Ans: → क्षेत्रीय भावना लोकतंत्र को मजबूत करती है। सभी दलों की अपनी अलग-अलग समस्याएं होती हैं। स्थानीय समस्या के समाधान के दबाव में सभी समाज के विभिन्न वर्गों के लोग अपने समाज की स्थापित करती है। इनमें समाज के और राजनीतिक जागरूकता आती है। जिससे वे अपने अधिकारों और कर्तव्य का और भली भांति समझने लगते हैं। और लोकतंत्र मजबूत होता है।

(ख) दबाव समूह सत्ता के तंत्रों का समूह है। इसलिए इसे समाप्त कर देना चाहिए

Teacher's Signature .....

Ans:→ दबाव समूह स्वार्थी तत्वों का समूह नहीं है, बल्कि ये सरकार के गलत निर्णय के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करवाती है, चेतावनी देती है, सरकार को जन कल्याण हेतु निर्णय लेने पर मजबूर करती है। अतः दबाव समूह, स्वार्थी तत्वों का समूह नहीं है इसे समाप्त नहीं करना चाहिए।

(ग) जनसंघर्ष लोकतंत्र का विरोधी है।

Ans:→ ये जनसंघर्ष लोकतंत्र का विरोधी नहीं है बल्कि जनसंघर्ष से लोकतंत्र मजबूत होता है। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी आदि मांगों को लेकर छात्र युवा जब बिहार के छात्रों ने J.P के नेतृत्व में जनसंघर्ष की शुरुआत की तो देखते-देखते इसका स्वरूप राष्ट्रीय हो गया और इसी जनसंघर्ष का नतीजा था कि सन् 1977 में पहली बार गैरकांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी। अतः जनसंघर्ष लोकतंत्र का विरोधी नहीं है।

(घ) भारत में लोकतंत्र के लिए हुए आन्दोलन महिलाओं की भूमिका नगण्य है

Ans:→ यह बात सही है कि भारतीय लोकतंत्र के आंदोलन में महिलाओं की भूमिका नगण्य है, प्राचीन काल से भारत में महिलाओं की

पर शासन करने की जिम्मेदारी हो, उन्हें हराने हो, उन्हें अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र की अवहेलना महिलाओं का पाखंड नगण्य है।
V.V.I

प्र.(4) राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण क्यों कहा जाता है? या, राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य बताइए?

Ans:→ दुनिया भर का इतिहास को देखने से स्पष्ट होता है कि राजनीतिक दल संगठित होकर सत्ता प्राप्ति के उद्देश्य से कार्य करते हैं, राजनीतिक दल कहलाते हैं। राजनीतिक दल के प्रमुख कार्य निम्न हैं।

(i) नीति एवं कार्यक्रम तय करना:→ राजनीतिक दल जनता का समर्थन प्राप्त करने के लिए नीति और कार्यक्रम बनाते हैं। भाषण, रेडियो टी.वी., समाचार पत्र आदि के माध्यम से अपने नीति एवं कार्यक्रमों को जनता के सामने रखते हैं। (ii) शासन का संचालन:→ जिस राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त होता है वह शासन चलाते और जिनके बहुमत प्राप्त नहीं होते हैं वे विपक्ष में बैठकर शासन के गड़बड़ियों को रोकते हैं। (iii) चुनाव का संचालन:→ राजनीतिक दल अपने पार्टी का चुनाव ~~में~~ घोषणा पत्र जारी करते हैं अपने उम्मीदवार का चुनाव में खड़ा कर उन्हें जिताने का प्रयास करते हैं।

Teacher's Signature

इस प्रकार राजनीतिक दल चुनाव का संचालन करते हैं। (iv) लोकमत का निर्माण :→ लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्च सत्ता होती है। अतः राजनीतिक दल जनसभा, रैली, रेडियो टी० वी०, समाचार पत्र आदि, वाग्मिता माध्यमों से अपने पक्ष में लोकमत का निर्माण करते हैं।

(v) सरकार एवं जनता के बीच कड़ी का कार्य :→ राजनीतिक दल जनता की समस्याओं और आवश्यकताओं को सरकार के समक्ष रखते हैं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को जनता तक पहुँचाते हैं। इस प्रकार राजनीतिक दल सरकार एवं जनता के बीच सम्पर्क सूत्र का कार्य करते हैं।

(vi) राजनीतिक प्रशिक्षण :→ राजनीतिक दल राजनीतिक कार्य जैसे :→ संगठन करना, चुनाव लड़ना, सरकार की नीतियों की आलोचना या समर्थन करना जैसी बातों से जनता को बतलाकर जनता में राजनीतिक चेतना जगाते हैं। (vii) द्वैतीय कार्य :→ राजनीतिक दलों का एक द्वैतीय कार्य भी होता है जैसे :→ सदस्य बनाना, चन्दा संग्रह करना, नीति एवं कार्यक्रम बनाना, उनसे दल का प्रचार करना इत्यादि। (viii) अन्य राजनीतिक कार्य :→ राजनीतिक दल न केवल राजनीतिक कार्य करते हैं बल्कि अन्य राजनीतिक कार्य भी करते हैं। जैसे :→ बाढ़, भूकम्प, सूखा जैसे प्राकृतिक आपदाओं में लोगों के बीच राहत कार्य चलाना।

राजनीतिक दल कई महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दल जीवन के अंग बन चुके हैं। इनके बिना लोकतंत्र का अस्तित्व असंभव नहीं है। अतः राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण कहा जाता है।

Q (5) राजनीतिक दल राष्ट्रीय विकास में किस प्रकार योगदान करते हैं?

Ans: → राजनीतिक दल ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो राजनीतिक रूप से संगठित होकर सत्ता प्राप्त की इच्छा से कार्य करते हैं। यदि लोकतंत्र में राजनीतिक दल नहीं होंगे तो, उनको उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकेगा। जो अपनी नीतियां राष्ट्रीय हित में न बनाकर, अपने क्षेत्र विशेष के लिए बनाएंगे जहां से, वह चुनाव लड़ते हैं। ऐसी स्थिति में देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय विकास रुक जाएगा। इसके विपरीत राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का नीति एवं कार्यक्रम सामान्य एवं व्यापक होता है वे किसी एक क्षेत्र के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए होते हैं। इस प्रकार देश में एकता, एकजुटता बढ़ती है और देश के राष्ट्रीय विकास में भी सहायता मिलती है।

Teacher's Signature

Q. (a) राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को मान्यता कौन प्रदान करते हैं और इसके मापदंड क्या हैं

Ans:→ राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को मान्यता चुनाव आयोग प्रदान करता है।

राष्ट्रीय एवं ~~राज्यनीतो~~ राज्य स्तरीय, राजनीतिक दल बनने के मापदंड नीचे बताए गए

(i) राष्ट्रीय राजनीतिक दल :→ (a) यदि कोई राजनीतिक दल लोकसभा या विधानसभा के चुनाव में चार या अधिक राज्यों द्वारा डाले गए वैध मतों का 6% प्राप्त करने के साथ-साथ कुल राज्य से लोकसभा के कम-से-कम चार सीट प्राप्त करें तो वह राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलाएगा (b) यदि कोई राजनीतिक दल तीन राज्यों में लोकसभा का 2% अथवा 11 सीट प्राप्त करता है तो वह राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलाएगा (ii) राज्य स्तरीय राजनीतिक दल → यदि कोई राजनीतिक दल लोकसभा या विधानसभा के चुनाव में डाले गए वैध मतों का 6% मत प्राप्त करने के साथ-साथ विधानसभा में तीन प्रतिशत या तीन सीट प्राप्त करें, राज्य स्तरीय राजनीतिक दल कहलाता है।

राष्ट्रीय राजनीतिक दल के उदाहरण :— कांग्रेस पार्टी, भारतीय जनता पार्टी आदि हैं।

राज्य स्तरीय राजनीतिक दल के उदाहरण
:→ जनता दल (U), आर जेडी जनता दल
~~राष्ट्रीयवादी कांग्रेस पार्टी~~ आदि

लोकतंत्र की उपलब्धिया

(i) लोकतंत्र किस तरह से उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है

Ans :- लोकतंत्र उत्तरदायी एवं वैध है कि नहीं इसे जानने के लिए हम तीन सवाल करेंगे

(i) क्या लोकतंत्र में जनता को चुनाव में भाग लेने एवं अपनी प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है

Ans :- हां

(ii) क्या चुने हुए सरकार लोगों की अकांक्षाओं को पुरा करने के लिए प्रयास करते है

Ans :- हां

(iii.) क्या सरकार के द्वारा फैसले लिए जाते समय आम जनकल्याण को ध्यान में रखा जाता है

काफी होती है